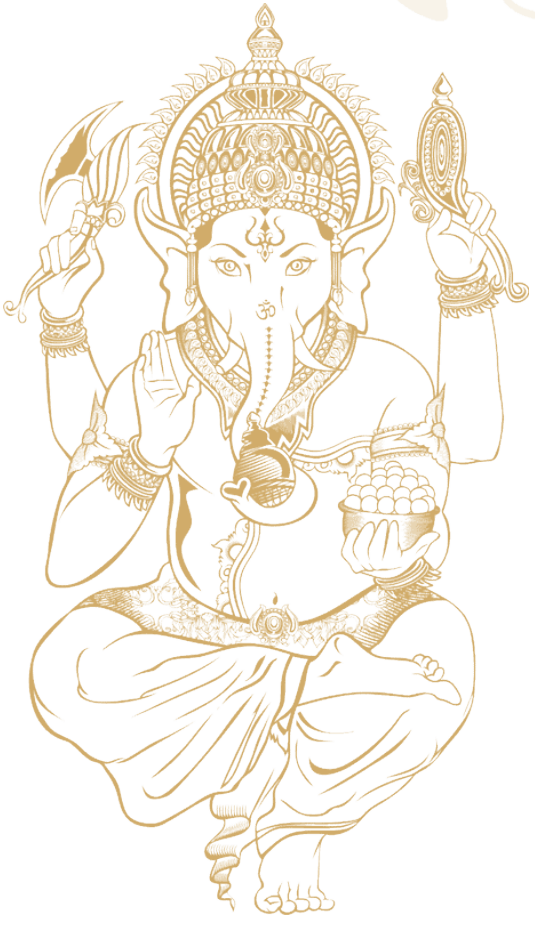

Shubham Verma

Malika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120856001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120856001 Date: 07/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/07/1994	जन्म तिथि	28/06/1998
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 17:45:00	जन्म समय	13:45:00 घंटे
घटी 29:54:22	जन्म समय(घटी)	20:36:02 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Firozpur
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:15	सूर्योदय	05:30:35
19:28:02	सूर्यास्त	19:38:35
23:47:07	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:02

धनु	लग्न	कन्या
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	सिंह
मंगल	राशि-स्वामी	सूर्य
अश्विनी	नक्षत्र	मघा
केतु	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	2
शूल	योग	वज्र
बालव	करण	बव
ला-लाखन	जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	वनचर
अश्व	योनि	मूषक
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 1मा 7दि		16:50:17	धनु	लग्न	कन्या	27:23:24	केतु 4वर्ष 9मा 4दि	
चन्द्र		13:19:20	कर्क	सूर्य	मिथु	12:36:55	सूर्य	
06/09/2020		13:08:01	मेष	चंद्र	सिंह	04:15:43	03/04/2023	
07/09/2030		24:40:50	वृष	मंगल	मिथु	00:42:21	02/04/2029	
चन्द्र	07/07/2021	28:59:08	मिथु	बुध	कर्क	01:44:07	सूर्य	21/07/2023
मंगल	05/02/2022	12:09:35	तुला	गुरु	मीन	03:36:07	चन्द्र	20/01/2024
राहु	07/08/2023	27:33:41	सिंह	शुक्र	वृष	10:42:20	मंगल	27/05/2024
गुरु	06/12/2024	17:31:16	कुंभ व	शनि	मेष	07:50:46	राहु	20/04/2025
शनि	08/07/2026	26:46:33	तुला	राहु व	सिंह	09:03:56	गुरु	07/02/2026
बुध	07/12/2027	26:46:33	मेष	केतु व	कुंभ	09:03:56	शनि	20/01/2027
केतु	07/07/2028	00:02:53	मक व	हर्ष व	मक	18:14:41	बुध	26/11/2027
शुक्र	08/03/2030	27:45:20	धनु व	नेप व	मक	07:36:03	केतु	02/04/2028
सूर्य	07/09/2030	01:30:11	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	12:03:40	शुक्र	02/04/2029

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:07 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:02

लग्न-चलित

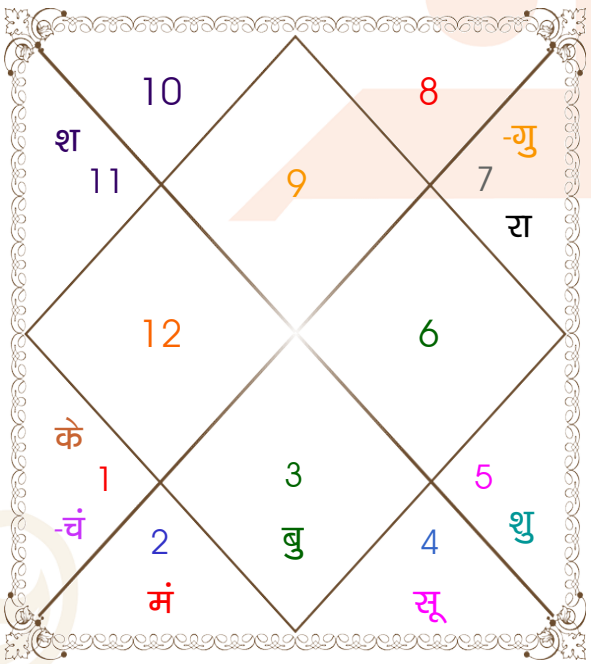

लग्न-चलित

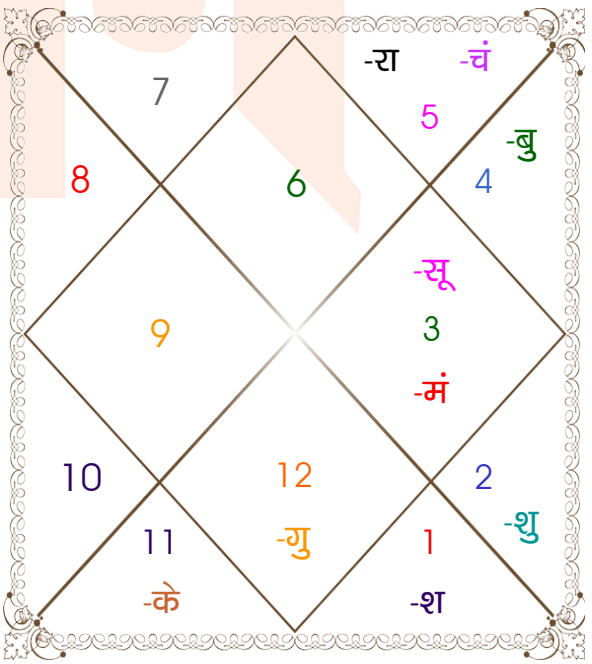

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

कुल : **20 / 36**

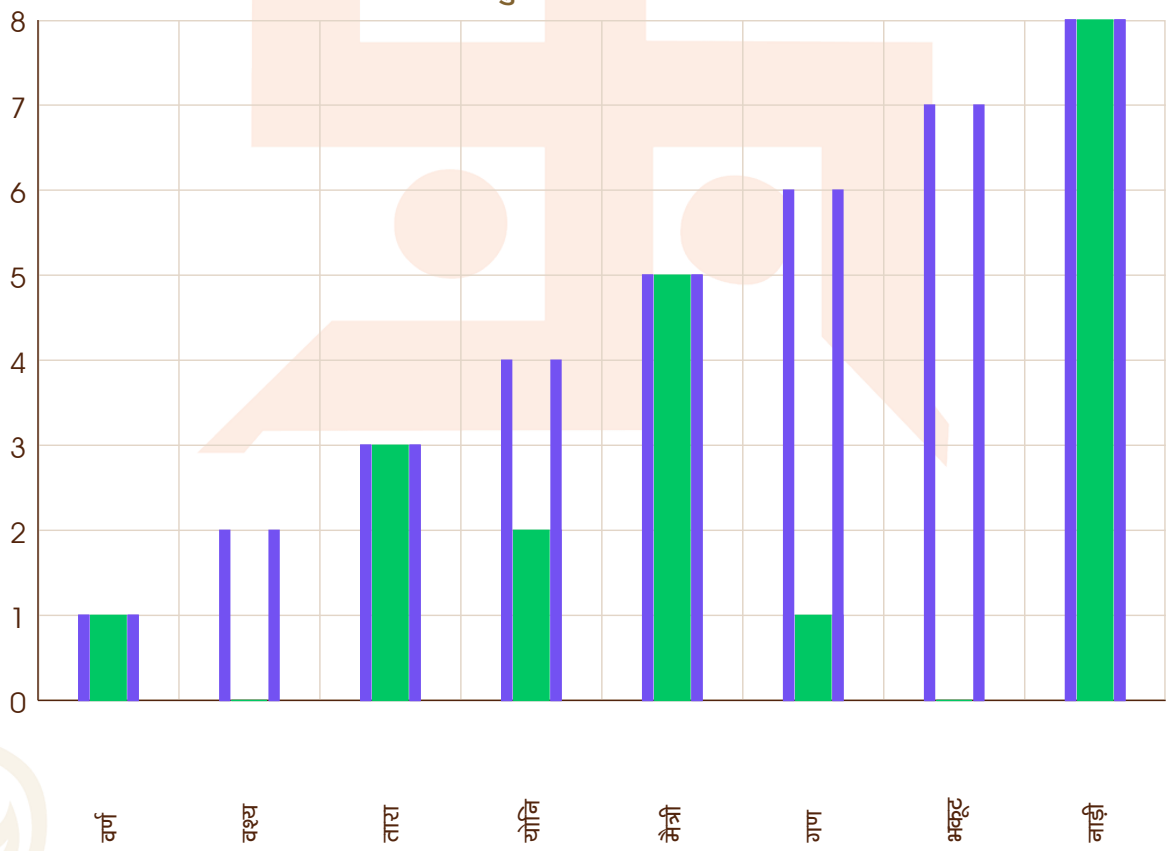

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ौनईींउ टमतउं का वर्ग मृग है तथा डंसपां का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ौनईींउ टमतउं और डंसपां का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ौनईींउ टमतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

डंसपां मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ौनईींउ टमतउं तथा डंसपां में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ौनईींउ टमतउं का वर्ण क्षत्रिय तथा डंसपां का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

ौनईींउ टमतउं का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं डंसपां का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदिौनईींउ टमतउं चतुष्पद एवं डंसपां वनचर हो तो डंसपां समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप डंसपांौनईींउ टमतउं पर कभी-कभी हावी रहेगी जौनईींउ टमतउं एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। डंसपां का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा डंसपां के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

ौनईींउ टमतउं की तारा जन्म तथा डंसपां की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ौनईींउ टमतउं की योनि अश्व है तथा डंसपां की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ौनईींउ टमतउं एवं डंसपां दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ौनईींउ टमतउं एवं डंसपां के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ौनईींउ टमतउं एवं डंसपां जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ौनईींउ टमतउं का गण देव तथा डंसपां का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में डंसपां निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। डंसपां की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

ौनईींउ टमतउं से डंसपां की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा डंसपां से ौनईींउ टमतउं की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण डंसपां को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

ौनईींउ टमतउं की नाड़ी आद्य है तथा डंसपां की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है।ौनईींउ टमतउं की आद्य नाड़ी तथा डंसपां की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

ौनईंउ टमतउं की राशि मेष तथा डंसपां की राशि सिंह है। ये दोनों राशियां अग्नितत्व से संबधित है। इसके प्रभाव से आपका जीवन सामान्यतया सुखी रहेगा परन्तु तेजस्वी प्रवृति के कारण यदा कदा आप लोगों के मध्य विवाद भी होंगे परन्तु इनमें कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न नहीं होगी तथा आपसी सहमति से इनको दूर करने में समर्थ होंगे।

ौनईंउ टमतउं और डंसपां दोनों के राशि स्वामी मंगल तथा सूर्य मित्र है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति शुभ रहेगी तथाौनईंउ टमतउं और डंसपां दोनों अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति उत्साह, पराक्रम एवं बुद्धिमता के गुणों से पूर्ण करेंगे। यद्यपिौनईंउ टमतउं डंसपां को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उदारता एवं आदर्श के भाव से युक्त रहेंगे परन्तु यदा कदाौनईंउ टमतउं की डंसपां के प्रति उपेक्षा की भावना रहेगी तो वह स्वार्थी होने का उनके ऊपर दोषारोपण करेंगी लेकिन कुछ समय बाद स्थिति ठीक हो जाएगी।

ौनईंउ टमतउं और डंसपां दोनों की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है जो शास्त्रानुसार भकूट दोष है। अतः इससे दोनों में परस्पर ईर्ष्या एवं अभिमान की भावना रहेगी। इसका प्रभाव इनके दाम्पत्य जीवन पर पड़ेगा। साथ ही दोनों मुक्त प्रेम प्रदर्शन पर भी विश्वास करेंगे। इससे इनके मन में एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या के भाव की उत्पति होगी जिसका भविष्य में अच्छा असर नहीं होगा। अतः ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा से ही सुख एवं शांति के क्षण प्राप्त हो सकते है।

ौनईंउ टमतउं का वश्य चतुष्पद एवं डंसपां का वश्य वनचर है अतः इनकी परस्पर समानता के कारण इनकी कामेच्छाएं समान स्तर की होंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सन्तुष्ट होंगे। यद्यपि डंसपां की पूर्व प्रेम स्मृतियों के कारणौनईंउ टमतउं किंचित ईर्ष्या की अनुभूति करेंगे परन्तु आपसी सामजंस्य से इसमें अनुकूलता रहेगी।

आप दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः कार्य क्षमता एवं कार्य क्षेत्रों में समानता रहेगी तथा उत्साह, साहस , पराक्रम तथा परिश्रम से अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगे जिससे कार्य क्षेत्र की सुदृढ़ता नित्य उन्नति की ओर अग्रसर रहेगी।

धन

ौनईंउ टमतउं और डंसपां का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति सेौनईंउ टमतउं और डंसपां सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

ौनईींउ टमतउं को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ौनईींउ टमतउं की नाड़ी आद्य तथा डंसपां की नाड़ी अंत्य है। अतः दोनों की नाड़ियां अलग अलग होने के कारण वे नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। इसके प्रभाव से उनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा पराक्रम एवं परिश्रम से अपने सांसांरिक महत्व के कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ होंगे जिससे उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी इनमें किसी के भी स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

संतान

संतति की दृष्टि सेौनईींउ टमतउं और डंसपां का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से ौनईींउ टमतउं और डंसपां को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्तौनईींउ टमतउं और डंसपां के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

डंसपां का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः डंसपां के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार डंसपां सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वाराौनईींउ टमतउं और डंसपां को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकारौनईींउ टमतउं और डंसपां का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

डंसपां के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद डंसपां अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य

में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से डंसपां पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि डंसपां अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ौनईींउ टमतउं के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ मेंौनईींउ टमतउं के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोणौनईींउ टमतउं के प्रति सकारात्मक रहेगा तथाौनईींउ टमतउं भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।